SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 08 फरवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 131

महाकुम्भ में उमड़ा आस्था का महासागर : स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के पार

शुक्रवार शाम 4:00 बजे तक 78.78 लाख से अधिक स्नानार्थियों ने किया स्नान

महाकुम्भ नगर । आरएनएस

प्रयागराज में तीनों अमृत स्नान (मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी) के बाद भी श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। पूरे देश और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से पवित्र त्रिवेणी में श्रद्धा और आस्था के साथ डुबकी लगाकर पुण्य प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु प्रतिदिन लाखों की संख्या में प्रयागराज पहुंच रहे हैं। बसंत पंचमी के अंतिम अमृत स्नान पर्व के बाद भी करोड़ों श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में स्नान को पहुंच रहे हैं। शुक्रवार, 7 फरवरी को शाम बजे तक 52.07 लाख लोगों ने त्रिवेणी में स्नान किया। इसके बाद कुल स्नानार्थियों की संख्या 40 करोड़ के ऊपर पहुंच गई है। स्नानार्थियों में 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश-विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब एक नए शिखर पर पहुंच गया है। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह तक महाकुम्भ में स्नानार्थियों की संख्या ने 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। शुक्रवार को सुबह 10 बजे तक 42.07 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है। इसके साथ ही महाकुम्भ में स्नानार्थियों की कुल संख्या 40 करोड़ पार हो गई। अभी महाकुम्भ को 19 दिन शेष है और पूरी उम्मीद है कि स्नानार्थियों की संख्या 50 करोड़ के पार जा सकती है। यदि अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो सर्वाधिक 8 करोड़ श्रद्धालुओं ने मौनी अमावस्या पर स्नान किया था, जबकि 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था। एक फरवरी और 30 जनवरी को 2-2 करोड़ के पार और पौष पूर्णिमा पर 1.7 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य डुबकी लगाई, इसके अलावा बसंत पंचमी पर 2.57 करोड़ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई थी।

बॉलीवुड कलाकारों ने संगम में लगाई डुबकी...

महाकुम्भ में बड़ी संख्या में आम और खास सभी लोग त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव, अभिनेत्री नीना गुप्ता और अभिनेता संजय मिश्रा महाकुम्भ पहुंचे। सभी कलाकारों ने इस भव्य आयोजन की प्रशंसा की और यहां के माहौल को अविस्मरणीय बताया।

संगम में डुबकी लगाना सौभाग्य की बात- राजकुमार राव-

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वह और उनकी पत्नी पत्रलेखा मां गंगा के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। राजकुमार राव ने कहा, मैं संगम में डुबकी लगाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम पिछली बार भी महाकुम्भ में आए थे। पत्रलेखा और मैं मां गंगा के प्रति समर्पित हैं। हम परमार्थ निकेतन आश्रम में ठहरे हुए हैं। जो भी यहां स्नान कर सकता है, वह सौभाग्यशाली है। भगवान की कृपा से हमें यह अवसर मिला है।

सालों से यहां आने की इच्छा थी- नीना गुप्ता-

नीना गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, मैं सालों से यहां आना चाहती थी। यह एक अनोखा अनुभव है। आखिरकार, आज मैंने डुबकी लगा ली। यहां का माहौल अविश्वसनीय है। मैंने अपने जीवन में इससे बड़ा जनसमूह कभी नहीं देखा। सरकार ने इतने बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित किया है, यह काबिले-तारीफ है।

समय होता तो यहीं घर बना लेता- संजय मिश्रा-

मशहूर अभिनेता संजय मिश्रा ने महाकुम्भ के माहौल को अद्भुत बताते हुए कहा कि यहां भारी भीड़ है, लेकिन फिर भी सारी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए किए गए प्रयास सराहनीय हैं। अगर मेरे पास समय होता, तो मैं यहीं अपना घर बना लेता।

महाकुम्भ में स्नान के साथ संतों का आशीर्वाद लेना भी जरूरी+ मालिनी अवस्थी-

प्रसिद्ध लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने महाकुम्भ में श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे केवल त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान तक ही सीमित न रहें, बल्कि संतों का आशीर्वाद भी लें। मालिनी अवस्थी ने कहा, महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं का उद्देश्य सिर्फ स्नान करना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें संतों के दर्शन कर उनका आशीर्वाद भी लेना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ का संदेश पूरे विश्व में गया है कि जो इस पावन अवसर पर स्नान नहीं करेगा, वह इस सौभाग्य से वंचित रह जाएगा। इसी कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आ रहे हैं।

महत्वपूर्ण एवं खास

एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश, पुंछ में सेना ने मार गिराए 7 पाकिस्तानी घुसपैठिए

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास फायरिंग होने की खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश की गई है। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है। घुसपैठियों का मकसद भारतीय पोस्ट को निशाना बनाया था। भारतीय सेना के जवानों ने पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम पर हमला किया। इनमें 3 पाकिस्तानी आर्मी के जवान भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि घटना 4 फरवरी की रात पुंछ जिले में कृष्णा घाटी के पास हुई, जब एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश की गई।

एमपी के महू में भीषण हादसा, चार लोगों की मौत; 10 घायल

इंदौर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर के करीब महू में हुए सडक़ हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं, घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा मानपुर पुलिस थाने के भैरव घाट क्षेत्र में हुआ। यहां गुरुवार-शुक्रवार की रात को एक सवारी वाहन ट्रैवलर ने पहले बाइक सवार दो लोगों को टक्कर मारी और उसके बाद वह एक टैंकर में जा घुसा। इस हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हुई है, वहीं ट्रैवलर में सवार दो अन्य लोगों को जान गंवानी पड़ी है, इसके अलावा ट्रैवलर वाहन में सवार 10 लोग घायल हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सवारी वाहन ट्रैवलर तेज रफ्तार से जा रहा था और उसी के चलते यह भीषण हादसा हुआ है। हादसे की भयावहता का इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि टैंकर से हुई टक्कर के बाद ट्रैवलर वाहन के परखच्चे उड़ गए हैं। बताया गया है कि ट्रैवलर वाहन में सवार लोग कर्नाटक के निवासी थे और महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आए हुए थे। वह वापस महाराष्ट्र की तरफ जा रहे थे। सवारी वाहन ने पहले बाइक सवार लोगों को टक्कर मारी, जिसमें दो युवक सवार थे, जिनकी पहचान शुभम और हिमांशु के तौर पर हुई है। इन दोनों की हादसे में मौत हुई है। वहीं ट्रैवलर में सवार दो महिलाओं की भी मौत होने की सूचना है। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस जवान मौके पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घायलों की संख्या 10 बताई जा रही है।

महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने से हड़कंप, दमकल की गाड़ियां मौके पर

प्रयागराज । आरएनएस

महाकुंभ मेला क्षेत्र के शंकराचार्य मार्ग स्थित सेक्टर-18 में मंगलवार को अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाडिय़ां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग किस वजह से लगी है, इसका अभी पता नहीं चल सका है। घटनास्थल पर प्रशासनिक अधिकारी और दमकल विभाग की टीम मौजूद है। मेले में सुरक्षा को देखते हुए पुलिस भी मौके पर तैनात कर दी गई है।

इससे पहले महाकुंभ मेले में सेक्टर 22 के बाहर चमनगंज चौकी के पास 30 जनवरी को एक खुले क्षेत्र में आग लग गई थी, जिससे लगभग 15 टेंट जल गए थे. अग्निशमन विभाग ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और आग बुझा दी थी, इस घटना में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई थी. मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने कहा था कि इसे जल्दी से बुझा दिया गया. उन्होंने उल्लेख किया था कि उचित सडक़ों की कमी के कारण दमकल गाडिय़ों के लिए स्थान तक पहुंचना मुश्किल हो गया था, लेकिन अंतत: आग पूरी तरह से बुझ गई और कोई हताहत नहीं हुआ.

आग लगने की ये घटना महाकुंभ के संगम क्षेत्र में मची भगदड़ के एक दिन बाद हुई थी, जिसमें 30 श्रद्धालुओं की जान चली गई और करीब 60 लोग घायल हो गए. यह भगदड़ 29 जनवरी सुबह उस समय हुई जब लाखों श्रद्धालु मौनी अमावस्या पर पवित्र स्नान करने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे, जो हिंदू कैलेंडर के सबसे पवित्र दिनों में से एक है. महाकुंभ के डीआईजी वैभव कृष्ण ने इस घटना के लिए भीड़ के दबाव को जिम्मेदार ठहराया था.

श्रीराम मंदिर की पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का निधन, आरएसएस ने दिया था प्रथम कार सेवक का दर्जा

अयोध्या । आरएनएस

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वो लंबे समय से बीमार थे और सर गंगाराम अस्पताल में उपाचराधीन थे। कामेश्वर चौपाल ने राम मंदिर निर्माण में पहली ईंट रखी थी। संघ ने उन्हें प्रथम कार सेवक का दर्जा भी दिया था।

भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को की गई थी, लेकिन राम मंदिर आंदोलन में 9 नवंबर 1989 को पहली आधारशीला रखने वाले कामेश्वर चौपाल ही थे। उस समय वे विश्व हिंदू परिषद के स्वयंसेवक भी थे। राम मंदिर आंदोलन में कामेश्वर चौपाल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनकी अहम भूमिका देखते हुए ही उन्हें आधारशीला रखने के लिए चुना गया था।

वहीं, अगर उनकी राजनीतिक यात्रा की बात करें, तो उन्होंने 1991 में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। भाजपा में शामिल होने के लिए उन्होंने विश्व हिंदू परिषद छोड़ दिया था। पार्टी ने उन्हें चुनावी मैदान में भी उतारा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। पार्टी ने उन्हें रोसड़ा लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा था, लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बाद 1995 में उन्हें बिहार की बेगूसराय सीट से चुनावी मैदान में उतारा गया, लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और उन्हें यहां भी हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2002 में उन्हें बिहार विधान परिषद का सदस्य भी बनाया गया था। 2014 तक वे बिहार विधान परिषद के सदस्य भी रहे।

2024 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी ने सुपौल सीट से चुनावी मैदान में उतारा, लेकिन इस बार भी उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

2020 के विधानसभा चुनाव के दौरान उप-मुख्यमंत्री पद के लिए भी उनका नाम की खूब चर्चा देखने को मिली थी। 2002 से 2014 तक वे राज्यसभा सदस्य रहे। कामेश्वर चौपाल 1982 में विश्व हिंदू परिषद के सदस्य बने थे। 1989 में उन्हें पहली बार राज्य प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। चौपाल ने जेएन कॉलेज मधुबनी से ग्रेजुएशन किया था और 1995 में मिथिला विश्वविद्यालय से एमए की डिग्री हासिल की।

आसाराम डॉक्यूमेंट्री विवाद पर केंद्र, राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली । आरएनएस

उच्चतम न्यायालय ने डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'कल्ट ऑफ फियर: आसाराम बापू' विवाद मामले में डिस्कवरी चैनल कर्मचारियों को कथित तौर पर धमकियां देने के आरोप वाली उनकी याचिका पर केंद्र और अन्य राज्य सरकारों को गुरुवार को नोटिस जारी किया।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने राज्य सरकारों को नोटिस जारी करते हुए उन्हें याचिकाकर्ता शशांक वालिया और अन्य तथा उनके कार्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। पीठ ने जिन राज्यों को नोटिस जारी किया उनमें महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और दिल्ली शामिल हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है कि 25 जनवरी को उस डॉक्यूमेंट्री के डिस्कवरी चैनल के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर शुरू होने के बाद संबंधित कंपनी कर्मचारियों को स्वयंभू संत आसाराम के अनुयायियों द्वारा धमकियां दी जा रही हैं। शीर्ष अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव मुखर्जी ने कहा कि शिकायत के बाद भी गुंडों की धमकियों के कारण अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उन्हें वास्तविक आशंका है कि आसाराम बापू के स्वयंभू समर्थकों ने डिस्कवरी, इसकी सहायक कंपनियों, मूल संस्थाओं और इसके कर्मचारियों, प्रबंधन, निदेशकों सहित याचिकाकर्ताओं के खिलाफ हिंसा, बर्बरता या अन्य आपराधिक कृत्यों का सहारा लिया है। इतना ही नहीं वे आगे भी ऐसा करना जारी रख सकते हैं। आसाराम के स्वयंभू समर्थकों की ओर से दी जा रहीं ये धमकियां संविधान के अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 19(1)(ए) और (जी) और 21 के तहत याचिकाकर्ताओं के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने आगे तर्क दिया कि डिस्कवरी द्वारा जारी की गई डॉक्यूमेंट्री सार्वजनिक हित में है, क्योंकि यह एक दोषी व्यक्ति की गतिविधियों पर प्रकाश डालती है। साथ ही, दर्शकों को अंध विश्वास और पंथों के बारे में एक संतुलित दृष्टिकोण देने का लक्ष्य रखती है।

उनकी याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ताओं और उनके सहयोगियों द्वारा सामना की जा रही धमकियां और विरोध न केवल रचनात्मक अधिकारों, भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने के लिए एक असामाजिक तत्व की ओर से एक प्रयास है, जो न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए हानिकारक है, बल्कि बीएनएस के साथ बीएनएसएस, 2023 के तहत दंड प्रावधानों के संदर्भ में अवैध और आपराधिक कृत्य भी है। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर उनकी याचिका में दावा किया गया है कि डिस्कवरी के सोशल मीडिया हैंडल पर सोशल मीडिया प्रचार अभियान को घृणित, नकारात्मक बताकर धमकी भरी टिप्पणियां की गई हैं। इनमें यौन, धार्मिक और राजनीतिक टिप्पणियां भी शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि टिप्पणियां इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी

मुंबई/लुधियाना । आरएनएस

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। लुधियाना की एक अदालत ने अभिनेता सोनू सूद के खिलाफ 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह वारंट न्यायिक मजिस्ट्रेट रमनप्रीत कौर की अदालत ने जारी किया है।

यह मामला लुधियाना के वकील राजेश खन्ना द्वारा दायर किया गया है, जिसमें मोहित शुक्ला नामक एक व्यक्ति पर 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। वकील खन्ना के अनुसार, मोहित शुक्ला ने उन्हें नकली रिजिका सिक्के में निवेश करने का लालच दिया था, और इस मामले में सोनू सूद को गवाही देने के लिए अदालत ने समन भेजा था।

अदालत ने बताया कि सोनू सूद को इस मामले में गवाही देने के लिए कई बार समन भेजे गए, लेकिन वह एक बार भी अदालत में पेश नहीं हुए। इसके बाद अदालत ने अभिनेता के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया। यह गिरफ्तारी वारंट मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित ओशिवारा पुलिस स्टेशन को भेजा गया है, जिसमें पुलिस को सोनू सूद को गिरफ्तार कर 10 फरवरी को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया गया है।

अदालत के आदेश में कहा गया है कि सोनू सूद को समन की जानकारी होने के बावजूद वह अदालत में गवाही देने के लिए उपस्थित नहीं हुए, जिसके कारण गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। इस मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को निर्धारित है। खबर लिखे जाने तक, सोनू सूद या उनकी टीम की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

एनएसईएफआई ने भारत की सौर ऊर्जा उद्योग को 100 जीडब्लू क्षमता हासिल करने पर दी बधाई

नई दिल्ली । आरएनएस

नेशनल सोलर एनर्जी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएसईएफआई), जो भारत की सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों की उद्योग संघ है, ने 100 जीडब्लू सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित करने पर उद्योग के सभी हिस्सेदारों और सरकार को हार्दिक बधाई दी। यह अहम उपलब्धि भारत की जलवायु लक्ष्यों की ओर कदम बढ़ाते हुए एक नई दिशा का प्रतीक है। एनएसईएफआई के सीईओ, सुब्रह्मण्यम पुलिपाका ने कहा, भारत के ऊर्जा संक्रमण की प्रक्रिया ने पिछले दशक में तेजी देखी है। 2014 में 3 जीडब्लू से 100 जीडब्लू तक का सफर तय करना भारतीय सौर उद्योग की मजबूती को दर्शाता है। हम सभी सौर ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिनिधियों की ओर से, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय सरकार के दृष्टिकोण और समर्थन का धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने सौर उद्योग को फलने-फूलने के लिए एक व्यवसायिक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया। सरकार और राज्यों के निरंतर सहयोग ने इस मील के पत्थर को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत अब चीन, अमेरिका और जर्मनी के बाद चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है, जिसने 100 जीडब्लू सौर क्षमता का आंकड़ा पार किया है। एनएसईएफआई के सीईओ ने कहा, "भारत अब कई देशों, खासकर वैश्विक दक्षिण, के लिए एक प्रेरणा बन गया है कि कैसे तेजी से ऊर्जा संक्रमण की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते हैं।"आगे की दिशा पर बात करते हुए, एनएसईएफआई के सीईओ ने कहा, "हमारे पास 90 जीडब्लू से अधिक परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं और 40 जिडब्लू से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी मिलनी बाकी है या वे बिडिंग प्रक्रिया में हैं। यह कहना सही होगा कि अगले 100 जीडब्लू की उत्सव की शुरुआत भी जल्द ही होगी। हम मानते हैं कि हम अगले वित्तीय वर्ष में 30-32 जीडब्लू सौर क्षमता जोड़ेंगे और फिर 2026-27 तक 42-45 जीडब्लू तक पहुँचेंगे। इसके अलावा, व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा की मांग में भी सकारात्मक रुझान देखा जा रहा है। एनएसईएफआई ने सरकार के प्रमुख योजनाओं, जैसे पीएम सूर्या घर मुफ्त बिजली योजना और पीएम कुसुम योजना, का भी धन्यवाद दिया, जो अगले दो वर्षों में क्षमता वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

एनएसईएफआई ने मंत्रालय ऑफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी (रूहृक्रश्व) और नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसियों - हञ्जक्क्रष्ट, स्श्वष्टढ्ढ, हाृक्क्रष्ट, स्छ्वङ्कह्न के निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस 100 जीडब्लू मील के पत्थर को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एनएसईएफआई को गर्व है कि उसने पिछले 12 वर्षों में सरकार की दृष्टि और उद्योग की आकांक्षाओं के बीच पुल का काम किया है। आगे बढ़ते हुए, एनएसईएफआई भारतीय सौर उद्योग को प्रमुख पहलों के साथ समर्थन देने के लिए तत्पर है, जो भारत को सौर ऊर्जा के स्थिर और तेज़ विस्तार में मदद करेगी।